महाराणा प्रताप महाविद्यालय,जंगल धूसड़, गोरखपुर

सम्पादक–
श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
श्रीमती विभा सिंह
श्री हरिकेश यादव

ध्येय पथ जनवरी माह– 2026

शिक्षण सत्र का शुभारंभ

05 जनवरी 2026 को प्रार्थना सभा में सम सेमेस्टर के शिक्षण कार्य के शुभारंभ के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष त्रिपाठी ने छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों को नये शैक्षिक सत्र के लिए शुभकामनाऐं दी तथा शैक्षणिक परम्पराओं, अनुशासन और गौरवशाली इतिहास को बनाएं रखने का संकल्प के लिए प्रेरित किया।

विधायक खेल प्रतियोगिता

09 जनवरी को वीर बहादुर सिंह स्पोर्टस कालेज, खजांची चौक, गोरखपुर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की कबड्डी बालिका वर्ग एवं वॉलीबाल बालक वर्ग की टीम ने सेमीफाइनल को जीतकर फाइनल में प्रवेश किया, जहॉ वे उपविजेता (रनर–अप) की सम्मानजनक पदवीं हासिल किये। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष त्रिपाठी ने दोनों टीमों को शुभकामनाएँ दी।

भारत–भारती पखवाड़ा (उद्घाटन कार्यक्रम)

12 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'स्वामी विवेकानन्द जयंती' के अवसर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ''मिशन कर्म योग एवं विकसित भारत'' विषय पर कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता के रूप में अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के श्री एल. वेंकटेश्वरलू ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में जीवन व्रती, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाजसेवी श्री अश्विनी कुमार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य श्री विवेक विश्वकर्मा ने किया।

स्वामी विवेकानन्द जयंती

12 जनवरी को प्रार्थना सभा में 'स्वामी विवेकानन्द जयंती' के अवसर पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अवन्तिका पाठक ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की तरफ से स्वामी विवेकानन्द जी को हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता

16 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'प्रश्नमंच प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में टीम–14 को प्रथम स्थान, टीम–06 को द्वितीय स्थान तथा टीम–10 को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन कम्प्यूटर विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती श्रुति शाही ने किया।

लक्ष्मीकांत झां एवं पं0 राम नरेश त्रिपाठी पुण्यतिथि

16 जनवरी को प्रार्थना–सभा में 'लक्ष्मीकांत झां एवं पं0 राम नरेश त्रिपाठी की पुण्यतिथि के अवसर पर एक विशिष्ठ व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी. एस–सी. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री विक्रांत सिंह ने अपना उद्‌बोधन देते हुए लक्ष्मीकांत झां एवं पं0 रामनरेश त्रिपाठी जी की स्मृति को नमन करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित हार्दिक श्रृद्धासुमन अर्पित की।

लोकगीत प्रतियोगिता

17 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'लोकगीत प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 14 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री कीर्तिमान को प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री आराधना को द्वितीय स्थान तथा बी. ए. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सपना सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन बी. एड. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती दीप्ती गुप्ता ने किया।

साप्ताहिक योगाभ्यास

17 जनवरी को प्रार्थना सभा में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने ध्यान के चरण को बताते हुए ध्यान का अभ्यास करवाया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि

19 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के विधि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेष सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के विद्यार्थी श्री आयुष कुशवाहा ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

19 जनवरी को प्रार्थना सभा में 'हिन्दुआ सूर्य महारणा प्रताप पुण्यतिथि' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित महाराणा प्रताप जी की स्मृति को नमन करते हुए हार्दिक श्रद्धासुमन आर्पित की।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

20 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध आयाम, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, विकसित भारत मिशन 2047 तथा मिशन विकसित उत्तर प्रदेश जैसे विभिन्न प्रासंगिक विषयों पर शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.सी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री तृप्ति त्रिपाठी को प्रथम स्थान, बी.बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री आयुष कुशवाहा को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री अश्विनी वर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती शिवानी सिंह ने किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

21 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री आरती को प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रियंका साहनी को द्वितीय स्थान तथा बी.बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री आयुष जायसवाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन संयुक्त रूप से डॉ. शालू श्रीवास्तव, सुश्री श्वेता एवं डॉ. अर्चना राव ने किया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली

21 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक एवं स्वयंसेवकों ने रैली में सहभाग किया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता एवं डॉ. आरती सिंह ने किया।

गायन प्रतियोगिता

22 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'गायन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री कृतिमान को प्रथम स्थान, बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री ज्योति एवं बी.ए. द्वितीय समेस्टर के छात्र श्री अश्विनी को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा बी.सी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री अनिकेत को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती दीप्ती गुप्ता एवं सुश्री स्मिता सिंह ने किया।

सरस्वती पूजा एवं बसन्त पंचमी

23 जनवरी को 'सरस्वती पूजा और बसंत पंचमी' के अवसर पर यजमान श्री विवेक विश्वकर्मा ने पंडित श्री विदुर तिवारी एवं श्री शुभम मिश्रा के नतृेत्व में विधिवत हवन पूजन सम्पन्न कराया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी ने समस्त शिक्षकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को शुभकामनाऐं प्रदान की। इसी क्रम में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि कर उपस्थित सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपनी श्रृद्धांजलि व्यक्त की।

युवा चेतना जागरूकता रैली

23 जनवरी को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती (पराक्रम दिवस) के अवसर पर युवा चेतना जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रोवर्स/रेंजर्स के विद्यार्थियों ने देशभक्ति नारों एवं प्रेरणादायी संदेशो के माध्यम से जन–जन तक उनके विचारों को पहुँचाने का प्रयास किया। कार्यक्रम का संयोजन रोवर्स/रेंजर्स के प्रभारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम

24 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में '16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस' की पूर्व संध्या पर लोकतांत्रिक चेतना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

रंगोली प्रतियोगिता

24 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'रंगोली प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में रानी लक्ष्मीबाई समूह ने प्रथम स्थान, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस समूह ने द्वितीय स्थान एवं मीराबाई समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नीलम गुप्ता तथा सुश्री अर्चिता राय ने किया।

कैरम एवं शतरंज प्रयियोगिता

24 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। कैरम प्रतियोगिता में बालक वर्ग से बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के श्री

सिंहासन निषाद विजेता तथा बी.सी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री शिवम चौधरी उपविजेता रहे। वही बालिका वर्ग से बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री बिट्टू चौहान विजेता एवं ंबी.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री दीपांशी सिंह उपविजेता रही। शतरंज प्रतियोगिता में बालक वर्ग से बी.सी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री रूपनारायण प्रजापति विजेता एव ंबी.सी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री कृष्ण गोपाल शर्मा उपविजेता रहे। बालिका वर्ग से एम.एस–सी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री ममता विजेता एवं बी.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शुभी उपविजेता रही। कार्यक्रम का संयोजन शारीरिक शिक्षा प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने किया।

77 वां गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर 77वां गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया गया। ध्वजारोहण प्राचार्य डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का संचालन श्री आयुष कुमार कुशवाहा एवं सुश्री सत्या गुप्ता ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्रावास योगिराज बाबा गम्भीरनाथ, सेवाश्रम पर भी ध्वजारोहण किया गया। छात्रावास के अधीक्षक श्री विनय कुमार सिंह ने ध्वजारोहण किया।

साधारण सभा

26 जनवरी को छात्रसंघ की साधारण सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी ने की। छात्र प्रतिनिधियों ने छात्रहित से जुड़े मुद्दों को सभा के समक्ष रखा और सुझाव प्रस्तुत किए। सभा में प्राचार्य द्वारा विद्यार्थियों का उचित मार्गदर्शन किया गया।

पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर (उद्घाटन समारोह)

27 जनवरी को बी.एड. विभाग में 'पांच दिवसीय बी.एड्. स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर' के अन्तर्गत उद्घाटन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर ए. एल.टी. स्काउट गाइड श्री राजू मौर्या, श्री शिवा राय एवं स्काउट गाइड प्रशिक्षिका नंदिनी सैनी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

डिजिटल ज्ञान प्रशिक्षण कार्यशाला

27 जनवरी को राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा एक दिवसीय 'डिजिटल ज्ञान प्रशिक्षण कार्यशाला' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कम्प्यूटर विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती श्रुति शाही ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन कम्प्यूटर विभाग के सहायक आचार्य श्री गौरव द्विवेदी ने किया।

पाँच दिवसीय बी.एड्. स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर (दूसरा दिन)

28 जनवरी को बी.एड्. स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर के दूसरे दिन स्काउट गाइड परिक्षक श्री राजू मौर्या ने बौद्धिक सत्र का क्रियान्वयन किया। स्काउट गाइड प्रशिक्षिका

श्रीमती दुर्गावती धुरिया ने व्यवहारिक जानकारी प्रदान की। स्काउट गाइड प्रशिक्षक श्री शिवा राय ने व्यायाम कौशल, सैल्यूट चिन्ह तथा स्कार्फ रोलिंग का प्रशिक्षण प्रदान किया।

पाँच दिवसीय बी.एड्. स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर (तीसरा दिन)

29 जनवरी को 'पाँच दिवसीय बी.एड्. स्काउट–गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर' के तीसरे दिन स्काउट गाइड के प्रशिक्षकों द्वारा व्यायाम, प्राथमिक चिकित्सा, गाँठ बांधना, स्कार्फ बांधना, सीटी के संकेत, टोली विधि, खोज चिन्ह और हाथ मिलाना जैसी गतिविधियों को प्रशिक्षुओं को सिखाया गया। बौद्धिक सत्र के अंत में कैंप फायर में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ला ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया।

महात्मा गाँधी पुण्यतिथि

30 जनवरी को प्रार्थना सभा में 'महात्मा गाँधी पुण्यतिथि' के अवसर पर बी.एस–सी. षष्ठम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शुभी ने महात्मा गाँधी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

पांच दिवसीय बी.एड्. स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर (चौथा दिन)

30 जनवरी को बी.एड्. स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण के चौथे दिन प्रशिक्षकों द्वारा दीक्षा संस्कार सम्पन्न कराया जिसमें प्रशिक्षणार्थियों को स्काउट गाइड के नियम प्रतिज्ञा और आदर्शो से

परिचित कराया तथा उन्हे सेवा, अनुशासन और राष्ट्र भक्ति के मार्ग पर चलने का संकल्प दिलाया।

भाषण प्रतियोगिता

30 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'सड़क सुरक्षा में युवाओं की भूमिका' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता मे बी.एस–सी. षष्ठम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रूबी सिंह को प्रथम स्थान, बी.एस–सी. षष्ठम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री दीपा गौड़ को द्वितीय स्थान तथा बी.सी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री अभिनव सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता तथा डॉ. आरती सिंह ने किया।

मेजर सोमनाथ जयन्ती

31 जनवरी को प्रार्थना सभा में 'मेजर सोमनाथ जयन्ती दिवस' के अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए मेजर सोमनाथ के साहस, बलिदान और उनकी वीरता पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार सहित उनकी स्मृति को नमन किया साथ ही हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

साप्ताहिक योगाभ्यास

31 जनवरी को प्रार्थना सभा में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने पद्मासन और कपाल भाति का अभ्यास कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय बी.एड्. स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम (समापन समारोप)

31 जनवरी को 'पांच दिवसीय बी.एड्. स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोप के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त, गोरखपुर मंडल, श्री मोहित कुमार चौधरी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

'महाविद्यालय समाचार पत्रों में'

विवेकानंद के कर्मयोग से साकार होगा विकसित भारत का संकल्प

महाराणा प्रताप पीजी कालेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर मुख्य सचिव एल. वैंकटेश्वर लू : एमपी कालेज • जागरण

जासं, गोरखपुर : समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव एल. वेंकटेश्वर लू ने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है। यह चरित्र निर्माण, आत्मबल और राष्ट्र सेवा पर आधारित है। विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी और आम नागरिक यदि अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन विवेकानंद के कर्मयोग आदर्शों के अनुरूप करें, तो राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया स्वतः तेज हो जाएगी। विकसित भारत का संकल्प स्वामी विवेकानंद के कर्मयोग से ही साकार होगा। अपर मुख्य सचिव सोमवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में 12 से 26 जनवरी तक चलने वाले भारत-भारती पखवाड़ा के उद्घाटन कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्य वक्ता सामाजिक कार्यकर्ता अश्वनी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जयंती केवल एक महान संत की स्मृति नहीं, बल्कि राष्ट्र जागरण का दिवस है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कालेज प्राचार्य डा. मनीष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यदि राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक अपने कर्म को योग बना ले, तो भ्रष्टाचार, लापरवाही और अकर्मण्यता जैसी समस्याएं समाप्त होने लगेंगी। इस दौरान छात्र संघ, छात्रावास, राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी., खेल और रोवर्स-रेंजर्स में उत्कृष्ट और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया।

स्वामी विवेकानंद को पढ़ना ही नहीं, जीना भी होगा : प्रांत प्रचारक

गोरखपुर : भारत सांस्कृतिक और नैसर्गिक रूप से एक है और उसका आध्यात्मिक तत्व चिंतन पूर्णता और समग्रता का प्रतीक है। यदि भारत को सही अर्थों में जानना है तो स्वामी विवेकानंद को पढ़ना ही नहीं, बल्कि जीना भी होगा। यह विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक रमेश ने सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुभाष चन्द्र बोस नगर में आयोजित स्वामी विवेकानंद प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महानगर गोरखपुर उत्तर भाग के विद्यार्थी कार्य विभाग द्वारा किया गया था। प्रांत प्रचारक ने कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल इतिहास

संघ के पुरस्कार वितरण समारोह में प्रांत प्रचारक रमेश व अन्य •

नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता और भविष्य की दिशा हैं। उन्होंने युवाओं में आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की चेतना को विवेकानंद के विचारों से जोड़ते हुए कहा कि शिकागो का उनका भाषण भारत के आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। पिछली चार जनवरी को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 600 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। प्रतियोगिता में वर्तिका सिंह ने पहला स्थान प्राप्त कर रेंजर साइकिल जीती। अंश कुमार सिंह को द्वितीय स्थान पाने पर स्मार्ट वाच व स्टडी लैम्प और अनुष्का दुबे को तृतीय स्थान पाने पर ट्रैक सूट, डायरी और पेन प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त शीर्ष 50 प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र व पदक देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाग संघचालक राधेरमण, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डा. केसी पति त्रिपाठी, प्रधानाचार्य राजीव कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। अतिथि परिचय विद्यार्थी कार्य प्रमुख कामेश ने कराया जबकि कार्यक्रम का संचालन शिवम ने किया।

स्वामी जी के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लें छात्र

गोरखपुर : गोरक्षप्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश ने कहा कि भारत का उत्थान तब होगा जब यहां रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति का उत्थान होगा। अपनों के साथ अपनों के लिए जीने का प्रयास हर व्यक्ति को करना होगा। पूर्व छात्र हमारी पूंजी हैं, जो शिक्षा के साथ विद्यालय से प्रेरणा प्राप्त कर वे राष्ट्र के उत्थान लिए कार्य कर रहे हैं। आज के दिन सभी छात्र स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लें। वह सोमवार को सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग में राष्ट्रीय युवा दिवस पर पुरातन छात्र सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। विद्यालय के पूर्व छात्र महापौर डा.मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि शिशु मंदिर की सोच ये नहीं है की मशीनी मानव पैदा करें बल्कि उनका उद्देश्य है कि वे विवेकानंद जैसे वीर तैयार करें। पूर्व छात्र डा.आशुतोष गुप्ता असिस्टेंट प्रोफेसर दिल्ली विश्वविद्यालय ने कहा कि मैं आज जो कुछ भी हूं वह इस विद्यालय से प्राप्त शिक्षा व संस्कारों की बदौलत हूं। अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के पूर्व छात्र डा.महेंद्र अग्रवाल ने कहा कि लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति को भूल करके हमें भारतीय शिक्षा पद्धति को अपनाना होगा। छात्र लक्ष्मी नारायण मालवीय ने कहा कि मेरे भीतर जो शिक्षा व संस्कार हैं वे शिशु मंदिर की ही देन हैं।

विवेकानंद के कर्मयोग से ही साकार होगा विकसित भारत का संकल्प : वेंकटेश्वरलू

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव एल. वेंकटेश्वरलू ने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है। यह चरित्र निर्माण, आत्मबल और राष्ट्र सेवा पर आधारित है। विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी और आम नागरिक यदि अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन विवेकानंद के कर्मयोग आदर्शों के अनुरूप करें, तो राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया स्वतः तेज हो जाएगी। विकसित भारत का संकल्प स्वामी विवेकानंद के कर्मयोग से ही साकार होगा

एल. वेंकटेश्वरलू सोमवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर 12 से 26 जनवरी तक चलने वाले भारत-भारती पखवाड़ा के उद्घाटन कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज जब देश प्रशासनिक सुधार, डिजिटल नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से अग्रसर है, तब कर्मयोग आधारित कार्य संस्कृति की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है। केवल योजनाओं की घोषणा से देश विकसित नहीं बनता, बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने वाले कर्मयोगी ही राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अश्वनी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जयंती केवल एक महान संत की स्मृति नहीं, बल्कि राष्ट्र जागरण का दिवस है। युवाओं में आत्मविश्वास, कर्तव्यबोध और कर्मनिष्ठा का संचार करने वाले स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। इसी विचारधारा से प्रेरित मिशन कर्मयोग, विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। स्वामी विवेकानंद ने कर्म को पूजा और सेवा को साधना माना। उनका स्पष्ट संदेश था कि राष्ट्र का उत्थान केवल उपदेशों से नहीं, बल्कि निष्काम कर्म और सेवा भावना से होता है। मिशन कर्मयोग इसी भावना को आधुनिक संदर्भ में आगे बढ़ाते हुए नागरिकों को कर्तव्यनिष्ठ, दक्ष और उत्तरदायी बनने के लिए प्रेरित करता है।

मिशन कर्म योग एवं विकसित भारत विषय पर उद्बोधन देते हुए अश्वनी ने कहा कि आज जब देश विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब विवेकानंद के कर्मयोग विचारों की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है। सशक्त युवा, नैतिक प्रशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व, ये सभी तत्व स्वामी विवेकानंद के दर्शन और मिशन कर्मयोग के मूल में निहित हैं। उन्होंने कहा कि मिशन कर्मयोग का मूल उद्देश्य नागरिकों में कर्तव्यबोध, दक्षता और नैतिकता का विकास करना है। यह मिशन इस विचार को सशक्त करता है कि प्रत्येक कार्य चाहे वह छोटा हो या बड़ा, यदि निष्ठा और ईमानदारी से किया जाए, तो वह राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कर्मयोग की यही भावना भारतीय दर्शन की आत्मा रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यदि राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक अपने कर्म को योग बना ले, तो भ्रष्टाचार, लापरवाही और अकर्मण्यता जैसी समस्याएँ स्वतः ही समाप्त होने लगेंगी। यही वह आधार है, जिस पर एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि निस्संदेह, मिशन कर्मयोग केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र चेतना का आंदोलन है।

इसके पूर्व भारत-भारती पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक डॉ॰ सुबोध कुमार मिश्र ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य विवेक विश्वकर्मा ने किया। अंत मे विभिन्न आयामों जैसे छात्र- संघ, छात्रावास, राष्ट्रीय सेवा योजना, एन.सी.सी., खेल और रोवर्स-रेंजर्स में उत्कृष्ट और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

डा.अभय कुमार श्रीवास्तव के पिताजी के निधन पर शोक सभा

जंगल धूसड़ (गोरखपुर)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव के पिताजी के स्वर्गवासी होने पर महाविद्यालय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में महा विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की गयी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी ने दिवंगत आत्मा के सादगीपूर्ण एवं प्रेरणादायी जीवन को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि इस दुःख की घड़ी में पूरा महाविद्यालय परिवार डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव के साथ खड़ा है।

◆महाविद्यालय परिवार ने दिवंगत आत्मा को दी श्रद्धांजलि

समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध कराता है स्काउट-गाइड शिविर-मोहित

◆बी.एड स्काउट-गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर का अनुशासन और सेवा भाव के साथ समापन

जंगल धूसड़ (गोरखपुर)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के बी.एड स्काउट-गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर के समारोप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त, गोरखपुर मंडल, मोहित कुमार चौधरी ने फीता काटकर निरीक्षण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया।

प्रशिक्षुओं द्वारा तैयार किए गए टेंट क्राफ्ट का सूक्ष्म अवलोकन कर उनकी कार्यकुशलता की सराहना करते हुए उपयोगी सुझाव भी प्रदान किए। इस दौरान अपने संबोधन में चौधरी ने कहा कि स्काउट-गाइड प्रशिक्षण विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी से अपेक्षा है कि शिविर में सीखे गए मूल्यों को अपने दैनिक जीवन, विद्यालय और समाज में व्यवहार में उतारेंगे। सेवा का भाव, सहयोग की भावना, नेतृत्व का साहस स्काउट-गाइड की सच्ची पहचान है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महा विद्यालय के प्राचार्य डा.मनीष कुमार त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, सहयोग की भावना, टीम वर्क की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने प्रशिक्षकों एवं आयोजन समिति को सफल संचालन के लिए बधाई दी और विद्यार्थियों को सीखे गए कौशलों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित भी किया। कार्यक्रम में बी.एड. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों के उत्साह समर्पण की सराहना करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं साथ ही उन्होंने सभी का आभार ज्ञापन किया। उन्होंने आगे कहा कि उत्साह, अनुशासन, रचनात्मकता से परिपूर्ण वातावरण में शिविर का सफल समापन हुआ जिसमें स्काउट-गाइड प्रशिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। श्रीमती सिंह ने प्रशिक्षण दल की सदस्य श्रीमती दुर्गावती धुरिया, राजू मौर्या, शिवा राय के प्रति आभार ज्ञापन किया और उनके प्रशिक्षण कार्य की सराहना की। समापन अवसर पर प्रशिक्षुओं ने शिविर के अनुभव साझा किए। इसे ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणा दायक बताया। इस अवसर पर बी.एड विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

स्काउट-गाइड आंदोलन से जुड़कर विद्यार्थी सीखेंगे सेवा का मंत्र-डा.मनीष

जंगल धूसड़ (गोरखपुर)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगलधूसड़ के बीएड विभाग एवं रोवर्स-रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर का आयोजन किया गया। परिचयात्मक शिविर के उद्घाटन समारोह का शुभारंभ महा विद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष कु.त्रिपाठी ने झंडारोहण से हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रशिक्षुओं को शुभ कामनाएं देते हुए ईमानदारी से कार्य करने ज्ञानार्जन के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में उन्होंने आगे कहा कि स्काउट-गाइड आंदोलन केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला सशक्त माध्यम है। यह युवाओं को आत्मनिर्भर, अनुशासित और सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग बनाता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में जब

युवा पीढ़ी अनेक चुनौतियों से जूझ रही है, तब स्काउट-गाइड जैसे संगठन उन्हें सही दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान बी.एड विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने प्रशिक्षण दल के प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को शिविर में सीखी गई बातों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित भी किया। इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक तथा नैतिक विकास के साथ-साथ उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहयोग की भावना विकसित करना रहा। शिविर का संचालन शिविर प्रभारी राजू मौर्या, शिवा राय सहायक प्रशिक्षक - H.W.B सुश्री नंदिनी सैनी सहायक प्रशिक्षिका – ADGC के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को

◆अनुशासन और राष्ट्रसेवा का पाठ पढ़ाएगा पांच दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर-श्रीमती शिप्रा सिंह

◆महाराणा प्रताप महाविद्यालय में युवा चरित्र निर्माण की दिशा में पहल:स्काउट-गाइड शिविर का उद्घाटन

स्काउट/ गाइड की मूल भावना, नियमों एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण से अवगत कराया गया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को प्रार्थना सत्र, शारीरिक व्यायाम, ड्रिल अभ्यास, ध्वज शिष्टाचार, समूह गीत, प्रार्थना गीत, देशभक्ति गीत, स्काउट/ गाइड नियम एवं प्रतिज्ञा तथा विभिन्न प्रकार के शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक खेलों का प्रशिक्षण दिया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्म विश्वास, अनुशासन, टीम भावना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। यह शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इस शिविर में विद्यार्थियों की सहभागिता अत्यंत उत्साहपूर्ण रही तथा पूरा कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। शिविर में कुल 45 छात्राध्यापक /छात्राध्यापिका पंजीकृत हुए।

विवेकानंद के कर्मयोग से ही साकार होगा विकसित भारत का संकल्प-एल. वेंकटेश्वरलू

जंगल धूसड़ (गोरखपुर)। स्वामी विवेकानंद जयंती केवल एक महान संत की स्मृति नहीं, बल्कि राष्ट्र जागरण का दिवस है। युवाओं में आत्मविश्वास, कर्तव्यबोध और कर्मनिष्ठा का संचार करने वाले स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। इसी विचारधारा से प्रेरित मिशन कर्म योग विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। स्वामी विवेकानंद ने कर्म को पूजा व सेवा को साधना माना। उनका स्पष्ट संदेश था कि राष्ट्र का उत्थान केवल उपदेशों से नहीं, बल्कि निष्काम कर्म व सेवा भावना से होता है। मिशन कर्म योग इसी भावना को आधुनिक संदर्भ में आगे बढ़ाते हुए नागरिकों को कर्तव्यनिष्ठ, दक्ष और उत्तरदायी बनने के लिए प्रेरित करता है। उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में स्वामी विवेकानन्द जयंती के अवसर पर 12 से 26 जनवरी तक

चलने वाले भारत-भारती पखवाड़े के उद्घाटन कार्यक्रम में अश्वनी जीवन व्रती, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाज सेवी ने बतौर मुख्य वक्ता कहीं।

अश्वनी ने "मिशन कर्म योग एवं विकसित भारत" विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा कि आज जब भारत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब विवेकानंद के कर्म योगी विचारों की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है। सशक्त युवा, नैतिक प्रशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व ये सभी तत्व स्वामी विवेकानंद के दर्शन और मिशन कर्म योग के मूल में निहित हैं। उन्होंने आगे कहा कि मिशन कर्म योग का मूल उद्देश्य नागरिकों में कर्तव्य बोध, दक्षता, नैतिकता का विकास करना है। यह मिशन इस विचार को सशक्त करता है कि प्रत्येक कार्य चाहे वह छोटा हो या बड़ा यदि निष्ठा और ईमानदारी से किया जाए, तो वह राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कर्म योग की यही भावना भारतीय दर्शन की आत्मा रही है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि **वेंकटेश्वरलू अपर मुख्य सचिव,** समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है। यह चरित्र निर्माण, आत्मबल और राष्ट्र सेवा पर आधारित है। विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी और आम नागरिक यदि अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन विवेकानंद के कर्मयोगी आदर्शों के अनुरूप करें, तो राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया स्वतः तेज हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि आज जब देश प्रशासनिक सुधार, डिजिटल नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है, तब कर्मयोग आधारित कार्य संस्कृति की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है।

◆केवल अधिकारों की बात न करें,बल्कि कर्तव्यों को दें प्राथमिकता-अश्वनी◆महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में भारत-भारती पखवाड़ा का उद्घाटन◆स्वामी विवेकानंद जयंती पर कर्मयोग से राष्ट्र निर्माण का आह्वान

केवल योजनाओं की घोषणा से देश विकसित नहीं बनता, बल्कि उन्हें ज़मीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने वाले कर्मयोगी ही राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं। इसीक्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मनीष कुमार त्रिपाठी ने अपने सम्बोधन में कहा कि यदि राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक अपने कर्म को योग बना ले, तो भ्रष्टाचार, लापरवाही, अकर्मण्यता जैसी समस्याएँ स्वतः ही समाप्त होने लगेंगी। यही वह आधार है, जिस पर एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि निस्संदेह, मिशन कर्म योग केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र चेतना का आंदोलन है। इसके सफल क्रियान्वयन से ही भारत आत्मनिर्भर, नैतिक और वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सकेगा। इसके पूर्व भारत-भारती पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक डा. सुबोध कुमार मिश्र ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत किया। संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य विवेक विश्वकर्मा ने किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के सफल संचालन हेतु विभिन्न आयामों जैसे छात्र-संघ, छात्रावास, राष्ट्रीय सेवा योजना, एन.सी.सी., खेल रोवर्स- रेंजर्स में उत्कृष्ट और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान महा विद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक–आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान–विज्ञान एवं कौशल से ओत–प्रोत शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र की एक अग्रणी संस्था है। महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन "ध्येय पथ" नाम से मासिक ई–पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में जनवरी माह की मासिक ई–पत्रिका ध्येय–पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर